शिक्षक हैं नहीं, कैसे हो पढ़ाई

इंजीनियरिंग कॉलेज में 850 छात्रों पर हैं सिर्फ 20 शिक्षक

जागरण संवाददाता, भागलपुर : राज्य के सर्वश्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में गिना जाने वाला भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज भगवान भरोसे चल रहा है। यहां दिन प्रतिदिन शिक्षकों की कमी होती जा रही है। कई विभागों के लिए तो शिक्षक ही नहीं हैं। यदि हैं भी तो वह छात्रों के अनुपात में बहुत कम। ऐसे में इस कॉलेज में इंजीनियर की पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य क्या होगा इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। देश को भविष्य में दिशा दिखाने वाले यहां के छात्रों के पढ़ाई के नाम पर मजाक किया जा रहा है। सिविल, इलेक्ट्रिकल,मेकेनिकल,कंप्यूटर इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन शाखाओं को मिलाकर स्थायी शिक्षकों की कुल स्वीकृत 76 पदों के अनुपात में प्राचार्य सहित मात्र 20 शिक्षक ही कार्यरत हैं। इन्हीं 20 शिक्षकों पर उक्त पांच शाखाओं के कुल 850 छात्र-छात्राओं का भविष्य टीका हुआ है।

छात्र कर चुके हैं आंदोलन

शिक्षकों के अभाव में पठन-पाठन बाधित होते देख अपने भविष्य को लेकर चिंतित छात्रों ने कई बार कॉलेजों में तालाबंदी कर सड़क से लेकर सचिवालय तक धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। परंतु आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया।

एक दशक से नही हुई नियुक्ति

इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्थायी शिक्षकों के नियुक्ति के लिए बीते एक दशक से राज्य सरकार भरोसा दे रही है, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं हो पाई है। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने तक वैकल्पिक व्यवस्था के आधार पर शैक्षणिक कार्य संचालित हो रहा है।

शाखावार यूं है शिक्षक

सिविल	04
इलेक्ट्रिकल	05
मेकेनिकल	04
इलेक्ट्रानिक्स	01
कंप्यूटर	00

- कंप्यूटर इंजीनियरिंग शाखा में नहीं है एक भी शिक्षक
- अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रही है छात्रों की पढ़ाई

संविदा पर रखे गए हैं शिक्षक

शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही पठन-पाठन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने संविदा पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा शिक्षकों की कमी होने पर अतिथि व्याख्याताओं से भी पढ़ाई का काम लिया जा रहा है।

पांच और शिक्षक होंगे सेवानिवृत्त

जनवरी 2017 में पांच शिक्षक और सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसके अलावा राज्य के नए इंजीनियरिंग कॉलेज खुलने के कारण संस्थान के दो शिक्षक डॉ. एमके झा एवं डॉ. केएन प्रसाद को नए कॉलेजों में प्राचार्य की जिम्मेदारी दी जा रही है।

> सेवानिवृति के कारण शिक्षकों की संख्या निरंतर घटती जा रही है। यहां के शिक्षकों को नए कॉलेजों में प्राचार्य की जिम्मेदारी दी जा रही है। शिक्षकों की कमी के बाद भी वैकल्पिक व्यवस्था के तहत यहां छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिल रहा है।
>
> -डॉ. निर्मल कुमार, प्राचार्य, बीसीई, भागलपुर।

जेआरएस कॉलेज में वरीय शिक्षक को मिले प्रभार

भागलपुर : छात्र राष्ट्रीय जनता दल के विश्वविद्यालय अध्यक्ष दिलीप कुमार ने तिलकामांझी विश्वविद्यालय प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए जेआरएस कॉलेज जमालपुर में जल्द सीनियर शिक्षक को प्रभार सौंपने की मांग की है। उन्होंने कहा कि विवि प्रशासन ने वहां ऐसे जूनियर शिक्षक को प्रभार दे रखा है, जिन पर कई तरह क आरोप हैं। अध्यक्ष ने विवि प्रशासन को यह अल्टीमेटम दिया है कि यथाशीघ्र वहां वरीय शिक्षक को प्रभार नहीं दिया गया तो छात्र राजद आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेगी।

अच्छी पहल | भागलपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की दीवारों और साइन बोर्ड पर लिखे हैं सकारात्मक संदेश, अमल करने पर जीवन में आएगा बदलाव

छात्रों को मोटिवेट कर रहीं गीता व कुरान की इबारतें

तन्वीर कौसर | भागलपुर

सबसे बड़ा धर्म है अपने स्वभाव के प्रति सच्चे होना, स्वयं पर विश्वास करो... आप वहां तक जा सकते हैं जहां तक आपकी कल्पना जा सकती है, शर्त ये है कि आप इमानदार कोशिश करें...जब आप एक कठिन दौर से गुजरते हैं जब सब कुछ आपका विरोध करने लगता है, आपको लगता है आप एक मिनट भी सहन नहीं कर सकते हैं कभी हार न मानें, क्योंकि यही वह समय और स्थान है जब आपका अच्छा समय शुरू होगा।

अपने लक्ष्य को अपनी काबिलियत के स्तर से नीचा न रखें, बल्कि अपनी काबिलियत के स्तर को अपने लक्ष्य के जितना बड़ा बनाने की कोशिश करो। ये कुछ ऐसे संदेश हैं जिनपर अमल करने से किसी की भी जिंदगी बदल सकती है। अगर ये संदेश आपकी नजरों के सामने हमेशा तैरते रहें तो आप खुद ही सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। इसी सोच के साथ छात्रों में पॉजिटिव वाइब लाने के लिए बीसीई ने अपने पूरे कैंपस में सकारात्मक संदेश लिखवाया है।

कॉलेज में लिखे हैं ये संदेश

- खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है... स्वामी विवेकानंद
- शिक्षा की जड़ बहुत ही कड़वी होती है मगर फल सबसे मीठा होता है : एरिस्टोटल
- मां के पैरों के नीचे ही जन्नत है : पवित्र कुरान
- तुम्हें अंदर से बाहर की तरफ विकसित होना है, कोई तुम्हें पढ़ा नहीं सकता है, कोई तुम्हें आध्यात्मिक नहीं बना सकता, तुम्हारी आत्मा के अलावा कोई और गुरु नहीं है
- ऑल्वेज लुक हाई इन द स्काई, नेवर लुक डाउन ऑन द अर्थ अर्थ सी वेयर सेट्स खलील जे ब्रान
- गुरु से इश्क तु लीजिए, सीस दीजो दान, बहुतक भौंदू बहि गए, रखि जीव अभिमान : संत कबीर

मोटिवेट करती है थॉमस एडिसन की स्टोरी

थॉमस एडिसन जब 67 वर्ष के थे तो उनकी फैक्ट्री में आग लग गई थी। उनकी जीवन भर की कमाई जल कर खाक हो गई थी। एक बुजुर्ग के लिए बेहद दुखद समय था। मगर उन्होंने हार नहीं मानी और इस घटना के तीन सप्ताह बाद ही ग्रामोफोन का आविष्कार किया। इस स्टोरी से छात्रों के साथ-साथ अन्य लोग भी काफी मोटिवेट हो रहे हैं।

नकारात्मक सोच पर सकारात्मक प्रयास

इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राचार्य ने बताया कि जुलाई 2016 में वे जब प्राचार्य के तौर पर कॉलेज आए तो उन्हें यहां के माहौल में कुछ ठीक नहीं लगा। यहां के छात्र अपने लक्ष्य से भटक रहे थे। वे कहते हैं जब मैं यहां आया तो देखा छात्रों का माइंडसेट निगेटिविटी की ओर बढ़ रहा है। वे ठेका लो और टेक फेस्ट की डिमांड करते थे, पढ़ाई की ओर उनका लगाव कम था। बात-बात पर इश्यू बनाते थे। इसलिए मैंने पूरे कैंपस में संत, सूफी के संदेश लिखवाए। कुरान और गीता के संदेश लिखवाए। उन्हें मोटिवेट करने के लिए फिलॉस्फर और साइंटिस्ट के भी कोट्स पूरे कैंपस में लगवाए।

बदला कैंपस का माहौल

गीता और कुरान की इबारतें छात्रों को पॉजिटिविटी प्रदान कर रही हैं। इससे कॉलेज के माहौल में काफी बदलाव आया है। जिस कैंपस में सीनियर रैगिंग करते थे अब वह जूनियर्स की मदद करते हैं।

सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे छात्र

मैंने यह पहल छात्रों को बेहतर बनाने के लिए किया है। वे जीवन में सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे। परिवार और संस्थान का नाम रोशन होगा। बीसीई का इतिहास गौरवशाली रहा है मुझे लगा कि छात्र इस विरासत को आगे ले जाएंगे।
निर्मल कुमार, प्राचार्य, बीसीई

ट्रैफिक व्यवस्था एक परिकल्पना : 60 किमी की स्पीड में सड़क पर एक कतार में चलें वाहन तो नहीं मिलेगा रेड सिग्नल

इंजीनियरिंग कॉलेज तैयार करेगा रोडमैप

आइए बनाएं स्मार्ट शहर

- मदद के लिए आएंगे आईआईटी के प्रोफेसर
- छात्रों और शोधार्थियों की भी होगी भागीदारी

तनवीर कौसर | भागलपुर

स्मार्ट सिटी कैसी होगी? स्मार्ट सिटी के पैमाने पर भागलपुर किस तरह से खुद को विकसित करेगा। स्मार्ट सिटी में ट्रैफिक सिस्टम कैसा होगा? इस पर भागलपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एक परिकल्पना तैयार कर रहा है।

इस परिकल्पना में भागलपुर की ट्रैफिक व्यवस्था की प्लानिंग पुलिस नहीं बल्कि इंजीनियर्स करेंगे यानी ट्रैफिक को मेट्रो शहरों की तरह तकनीकी रूप से इतना मजबूत किया जाएगा कि चौक-चौराहे पर कांस्टेबल को इसे संभालने की जरूरत ही नहीं पड़े। इसके लिए वॉर रूम की तर्ज पर ट्रैफिक कंट्रोल रूम होगा। इसमें एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश होगी कि अगर आप रोड पर 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड से गाड़ी चलाते हैं और कतार में रहते हैं तो कहीं भी आपको ट्रैफिक सिग्नल रेड नहीं मिलेगा। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. निर्मल कुमार आईआईटी दिल्ली के तीन प्रोफेसरों के साथ मिलकर इस परिकल्पना को धरातल पर उतारने के लिए एक रोडमैप तैयार करेंगे। इसके साथ कॉलेज छात्र और शोधार्थी भी अपने सुझाव देंगे।

स्किल डेवलपमेंट पर काम करना होगा

डॉ. निर्मल कुमार वर्मा की मानें तो स्मार्ट सिटी की उनकी कल्पना में भागलपुर को टेक्नोलॉजी एजुकेशन का हब बनाना है। इसमें हाई ग्रेड ऑफ एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि स्मार्ट सिटी तब ही हो पाएगी, जब यहां का मानव संसाधन स्मार्ट होगा। यहां से मजदूर पलायन करके मेट्रो शहर चले जाते हैं। वह स्किल्ड नहीं होते तो उन्हें तीन सौ पांच सौ रुपये मिलते हैं। स्किल्ड होने पर इन्हीं मजदूरों को सात सौ से एक हजार रुपये मिलते हैं। इसलिए सूबे में स्किल डेवलपमेंट पर काम करना होगा। इसके लिए एजुकेशन बेहद जरूरी है।

उद्योग, बिजली और ट्रैफिक अहम

बिहार में इंडस्ट्री नहीं है। बिहार को स्मार्ट बनाने के लिए इसे उद्योग से जोड़ना बेहद जरूरी है। भागलपुर के सिल्क उद्योग को विकसित करना होगा। बिहार में बिजली का भी संकट है। जहां बिजली है, वहां आपूर्ति में विकट हो रही है। भागलपुर को स्मार्ट बनाने के लिए यहां हर इलाके में 24 घंटे बिजली आपूर्ति होनी चाहिए।

कॉलेज में आयोजित होगी कार्यशाला

स्मार्ट सिटी में रोड सेफ्टी को लेकर कॉलेज में कुछ महीनों में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होगी। इसमें आईआईटी दिल्ली से रोड सेफ्टी एक्सपर्ट डॉ. गौतम तिवारी, सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग आईआईटी दिल्ली के प्रो. दिनेश मोहन और आईआईटी दिल्ली के सिविल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के नीरज कुमार झा शामिल होंगे। विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र भी इसमें अपने विचार व्यक्त करेंगे।

इन विषयों पर होगी चर्चा

स्मार्ट कनेक्शन, स्मार्ट इकॉनोमी, स्मार्ट गवर्नमेंट, स्मार्ट इंवायरमेंट, स्मार्ट लिविंग, इंटरनेशनल एक्सपीरियंस ऑफ अर्बनाइजेशन एण्ड लेसन्स फॉर इंडिया, इकोनॉमिक एंड डेमोग्राफिक चेंज लेबर मार्केट्स एंड इंप्लायमेंट आदि।

इंजीनियरिंग कॉलेज में 26 व 27 को रोड सेफ्टी पर कार्यशाला

भागलपुर. इंजीनियरिंग कॉलेज में भागलपुर के स्मार्ट सिटी में रोड सेफ्टी विषय पर 26 व 27 जून को कार्यशाला होगी. कॉलेज के प्राचार्य निर्मल कुमार ने बताया कि कार्यशाला इंजीनियरिंग कॉलेज और भागलपुर नगर निगम के सहयोग से आयोजित किया जायेगा. मुख्य अतिथि आरएल चोंग्थु होंगे. कार्यशाला में आइआइटी दिल्ली के रोड सेफ्टी क्षेत्र के शिक्षाविद व विशेषज्ञ प्रो गीतम तिवारी और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ दिल्ली के सिविल इंजीनियरिंग के डॉ कुमार नीरज झा का लेक्चर होगा. उन्होंने बताया कि रोड सेफ्टी स्मार्ट सिटी के प्लानिंग के लिए जरूरी है. दुनिया में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं इंडिया में होती है. इसमें हर साल एक लाख 40 हजार जानें जाती है. कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और समाज के लोगों का रोड सेफ्टी में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित कराना.